



# LANGAT SINGH COLLEGE, MUZAFFARPUR

(A constituent unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

NAAC Accredited Grade 'A'

## 7.1 - Institutional Values and Social Responsibilities

### 7.1.1 - Measures initiated by the Institution for the promotion of gender equity during the year

College strives hard to ensure gender equality and takes all possible measures for that. Our college is committed to educating and following the idea of gender sensitization among the students as their prime duty and part of constitutional obligation. Successive governments have taken a lot of initiatives by implementing welfare schemes to ensure gender sensitization in the field of Higher Education by providing totally free education to the girl students. Every year governments provide various scholarships (Mukh Mantri Kanya Uttathan Yojana) for the betterment of girl students. Our college constitutes a women empowerment Cell to create awareness among the students to assert their rights and to educate them about women empowerment. These cells on various occasions conduct various programs and activities for the students to popularize the idea of gender sensitization and empowerment. We display posters and other circulars from the government consisting of warnings and information about stringent measures against women harassment and ragging. Antisexual harassment cell has been taking special care about the girl students and trying to support in terms of instilling confidence among them while they face any types of problems within the campus or outside the campus. Our principal and concerned head of the Cells even take their parents in to confidence while taking any kind of problems faced by the girls. This made the girls seek admissions in large numbers to our college.



**Invited Lecture On**  
**"GENDER SENSITIZATION: SOCIETY & CULTURE"**  
**Organized by**  
**WOMEN EMPOWERMENT CELL, LANGAT SINGH COLLEGE MUZAFFARPUR**  
**B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur**



**Keynote Speaker**  
**Prof. Dolly Sinha**  
Former Pro Vice-Chancellor LNMU, Darbhanga  
Former Pro Vice-Chancellor Patna University, Patna

**Presidential Address:**  
**Prof. Dr. Om Prakash Roy**  
Principal, L. S. College, Muz.  
Ex. Member of BPSC

**Date: 11.05.2024 | Time: 11:00 AM to 1:00 PM**  
**Venue: J. B. Kriplani Sabhagar, L. S. College, Muz.**



# LANGAT SINGH COLLEGE, MUZAFFARPUR

(A constituent unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

NAAC Accredited Grade 'A'



Prof. Om Prakash Roy, Principal Chaired a gender sensitization Workshop organised by Women Empowerment Cell of the College on Dated 11-May-2024



Prof. Om Prakash Roy, Principal felicitated Prof. Dolly Sinha, former Pro. Vice Chancellor during sensitization Workshop organised by Women Empowerment Cell of the College on Dated 11-May-2024





# LANGAT SINGH COLLEGE, MUZAFFARPUR

(A constituent unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

NAAC Accredited Grade 'A'



## लैंगिक भेदभाव खत्म करना बुनियादी मानव अधिकार

□ जेंडर सेंसटाइजेशन : सोसाइटी एवं कल्चर विषय पर एलएस कॉलेज में विशेष व्याख्यान का आयोजन

वरीय संगददाता, मुजफ्फरपुर

लंगट सिंह कॉलेज सभागार में शनिवार को जेंडर सेंसटाइजेशन : सोसाइटी एवं कल्चर विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. कॉलेज के आईक्यूएसी व वूमेन एंपावरमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोवीसी प्रो. डॉली सिन्हा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं. अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने की. मुख्य वक्ता प्रो. डॉली सिन्हा ने पुरुषत्व और

स्त्रीत्व की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देने और जीवन के सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया. कहा कि लिंग के आधार पर सभी भेदभाव खत्म करना एक बुनियादी मानव अधिकार है. यह मानसिक विकास, आर्थिक विकास और टिकाऊ भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है. प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने कहा कि महिलाएं दुनिया की कुल आबादी का करीब आधा हिस्सा हैं. इसी कारण लैंगिक विभेद से व्यापक और दूरगामी असर होगा. उन्होंने कहा कि कॉलेज में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त गर्ल्स कॉमन रूम का निर्माण चल रहा है. यह छात्राओं को एक



समर्पित स्पेस प्रदान करेगा. कॉलेज प्रशासन शीघ्र सेनेटरी पैड वॉशिंग मशीन भी लगवायेगी.

अतिथियों का स्वागत इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा कुमारी ने किया. डॉ. स्वीटी सुप्रिया ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त की. संचालन डॉ. सजीदा अंजुम और

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. त्रिपदा भारती ने किया. मौके पर डॉ. प्रतिमा कुमारी, आईक्यूएसी समन्वयक सह कार्यक्रम में प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सुनील मिश्रा, डॉ. रीमा, डॉ. अर्चना ठाकुर, डॉ. एसएन अब्बास, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. सीमा, डॉ. उमेश श्रीवास्तव, मीरा कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे.



# LANGAT SINGH COLLEGE, MUZAFFARPUR

(A constituent unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

NAAC Accredited Grade 'A'

## लैंगिक भेदभाव खत्म करना बुनियादी मानव अधिकार : प्रो डॉली सिन्हा

एलएस कॉलेज में जेंडर सेंसेटाइजेशन पर व्याख्यान में लैंगिक मुद्दों पर हुई चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

लंगट सिंह कॉलेज के सभागार में जेंडर सेंसेटाइजेशन: सोसाइटी एवं कल्चर विषय पर शनिवार को विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। बतौर मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोवीसी प्रो. डॉली सिन्हा ने समाज में प्रचलित विभिन्न लैंगिक मुद्दों के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने के सुझाव दिए। प्रो सिन्हा ने कहा कि लिंग के आधार पर सभी भेदभाव खत्म करना एक बुनियादी मानव अधिकार है। यह मानसिक विकास, आर्थिक विकास और टिकाऊ भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो ओमप्रकाश राय ने कहा कि कॉलेज प्रशासन द्वारा लड़कियों को कॉलेज के एनसीसी और एनएसएस विंग में भाग लेने और नामांकन करने के लिए प्रेरित किया जाता है, क्योंकि इससे उनमें ताकत, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुण विकसित होते हैं। साथ ही कॉलेज प्रशासन लिंग, जाति, धर्म आदि के बीच असमानता के बारे में संवेदनशीलता को बढ़ावा देने और सभी को एक समान विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करने के लिए प्रेरित करता है। अतिथियों का स्वागत करते हुए इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा कुमारी ने कहा महिलाओं को सामाजिक और



व्याख्यान के दौरान मुख्य अतिथि का स्वागत करते प्राचार्य।

पारिवारिक रुढ़ियों के कारण विकास के कम अवसर मिलते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व का पूर्ण विकास नहीं हो पाता है। डॉ. स्वीटी सुप्रिया ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विकास यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाना होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सजीदा अंजुम और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. त्रिपदा भारती ने किया। प्राचार्य ने प्रो डॉली सिन्हा का औपचारिक स्वागत किया। मौके पर डॉ. प्रतिमा कुमारी, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सुनील मिश्रा, डॉ. रीमा कुमारी, डॉ. अर्चना ठाकुर, डॉ. एसएन अब्बास, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. उमेश श्रीवास्तव, मोरा कुमारी आदि थे।





## LANGAT SINGH COLLEGE, MUZAFFARPUR

(A constituent unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

NAAC Accredited Grade 'A'

### लिंग के आधार पर भेदभाव समाप्त करना बुनियादी मानव अधिकार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: पटना विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोवीसी प्रो. डाली सिन्हा ने कहा कि लिंग के आधार पर सभी भेदभाव खत्म करना एक बुनियादी मानव अधिकार है। यह मानसिक व आर्थिक विकास के साथ टिकाऊ भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। वे एलएस कालेज सभागार में शनिवार को 'जेंडर सेंसटाइजेशन: सोसाइटी एंड कल्चर' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में बोल रही थीं। उन्होंने पुरुषत्व और स्त्रीत्व की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देने और जीवन के सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन कालेज के आइक्यूएसी सेल और वूमन एंपावरमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने कहा कि लैंगिक विभेद के व्यापक और दूरगामी असर होते हैं। यह सभ्य समाज की प्रगति में बाधक है। कहा कि जल्द ही कालेज में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगेगी। इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा कुमारी, डा. स्वीटी सुप्रिया समेत अन्य ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डा. सजीदा अंजुम और धन्यवाद ज्ञापन डा. त्रिपदा भारती ने किया। मौके पर डा. प्रतिमा कुमारी, आइक्यूएसी समन्वयक सह कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सुनील मिश्रा, डा. रीमा कुमारी, डा. अर्चना ठाकुर, डा. नवीन कुमार समेत अन्य उपस्थित हुए।





# LANGAT SINGH COLLEGE, MUZAFFARPUR

(A constituent unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

NAAC Accredited Grade 'A'

---

